

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रुद्धिविदिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पहुंचा देता है। -महात्मा गांधी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: हम इसे मनुष्य का विकल्प न बन जाने दें!

मा

नव जीवन का इतिहास अनिवार्य नई सुविधाओं और तकनीकों के विकास का भी इतिहास है। आग और पहिये से लगाकर डिजिटल दुनिया तक की यात्रा बहुत रोमांचक और उत्तेजक रही है। जब भी कोई नई सुविधा हमारे हाथों में आती है, हम यही सोचते हैं कि इस सुविधा के बारे हम जी कैसे रहे थे। यही देखें कि जैसे-जैसे हमारी ज़िंदगी में कृत्रिम और इण्डरेट का हातक्षेप और सहयोग बढ़ता है, हम बार-बार यह सोचते को मजबूर होते हैं कि इनके बारे हम कैसे रहे थे! आज जिस दृष्टि गति से हम बैंकों से आदान-प्रदान कर लेते हैं तब उस दृष्टि गति की आज से बीस-बीस बरस पहले कल्पना भी संभव नहीं थी। इटरनेट और गूगल ने हमारी क्षमताओं और जानकारी को जो एक नई-सी लगानी बाली दुनिया रच दी है उसने हमारी क्षमताओं को कई जुन बढ़ा दिया है। इसी क्रम को जारी रखते हुए हाल में हमने एक और नई सुविधा हासिल कर ली है, जिसका नाम है कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संकेत में एर्वाई कुछ समय पहले तक हम इसे हम समस्या का समाधान गूगल में खोजते थे, आज वह काम यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता अधिक दक्षता से सक्ष कर रही है, जहां तक उद्योग और व्यापार को संबंधित, उपायर बनाने में तथा ग्राहक प्रयोग को समाप्त कर रही है। उसने गूगल को छोड़कर चैटिंगिनी जैसे माध्यम को अपना लिया है। इस सबने अपनतपूर्व उत्साह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना लिया है और जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में खुलकर इसका उपयोग करने लगे हैं। विज्ञान, विज्ञानिक, व्यापार, वित्त, शिक्षा, कला-संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

चिकित्सा की उपयोगी में रोगों के पूर्वानुमान, उनके सही निदान और रोबोटिक सर्जरी जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जितनी उपायता अब तक प्रमाणित ही है उन्हींने ही इसकी उपायता शिक्षा के क्षेत्र में भी नजर आती है। शिक्षा की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने में और तटस्थ तथा निषेचन मूल्यांकन करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपायता अब सर्व स्थिरक है। जहां तक उद्योग और व्यापार को संबंधित, उपायर बनाने में तथा ग्राहक प्रयोग को समाप्त कर रही है तब उसने गूगल को छोड़कर चैटिंगिनी जैसे माध्यम को अपना लिया है। इस सबने अपनतपूर्व उत्साह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना लिया है और जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में खुलकर इसका उपयोग करने लगे हैं। विज्ञान, विज्ञानिक, व्यापार, वित्त, शिक्षा, कला-संस्कृति आदि सभी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

लोकन जैसा हर सुविधा के साथ होता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर भी अनेक सवाल उठाने लगे हैं और आग अवश्यक है कि जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ेगा, ये सवाल और अधिक प्रासारिक और अनिवार्य होते जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती जिसे हर कोई महसूस करता है वह बहुत सारे लोगों की आजीविका छिन जाएगी। वैसे यह खतरा कोई नया नहीं है। जब स्वचालन हमारी ज़िंदगी में इसकी उपयोगिता असंदिग्ध है। साइबर सुक्ष्मा के क्षेत्र में ही नहीं सुविधा यह जीवन आवश्यक है की इन पर्दों की याचिका है और इनकी उपति कैसे है?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता शब्द संस्कृत भाषा से आया है शब्द का अर्थ होता है:- कुलपति- शब्द, वैदिक, वैदिक, संस्कृत, अप्यतपूर्व से: कुलपति को वेदों के अध्ययन और स्वेच्छा के सदस्यों को जीवन जीने के सही तरीके के बारे में सिखाते हैं और उन्हें धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन, परिवार और समुदाय में विवाहों का समाधान और समाजों को बनाए रखना। उत्तरारण:- शत्रुघ्न शब्द का अर्थ होता है कि जैसे-जैसे हमारी क्षमताओं को कई जुन बढ़ा दिया है वे अपने बच्चों की याचिका परिवार के बास्तव बताया गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बहुत अच्छी तरफ निबाहते हुए यह आग जारी है कि इसकी उपयोग से हमारा जीवन अधिक सुरक्षित हो जाएगा।

लोकन जैसा हर सुविधा के साथ होता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर भी अनेक सवाल उठाने लगे हैं और आग अवश्यक है कि जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ेगा, ये सवाल और अधिक प्रासारिक और अनिवार्य होते जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती जिसे हर कोई महसूस करता है वह बहुत सारे लोगों की आजीविका छिन जाएगी। वैसे यह खतरा कोई नया नहीं है। जब स्वचालन हमारी ज़िंदगी में इसकी उपयोगिता असंदिग्ध है। साइबर सुक्ष्मा के क्षेत्र में ही नहीं सुविधा यह जीवन आवश्यक है की जो लोग खुद को अपडेट कर करने में सफल रहें उन्हें रोजगार के बहुत सारे लोगों का रोजगार भी जारी होता है, लेकिन उसमें उनकी अपनी निषिक्यता और जड़ता की भी बड़ी भूमिका रही है। ऐसा ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मामले में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अपनी भूमिका अब तक बहुत अच्छी तरफ निबाहते हुए यह आग जारी है कि इसकी उपयोग से हमारा जीवन अधिक सुरक्षित हो जाएगा।

लोकन जैसा हर सुविधा के साथ होता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोग अभी और बढ़ेगा। और जब इसका अधिक उपयोग होता है कि इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ेगी।

मानवता का हित इसी बात में निहित है कि हम अभी से उन आशंकाओं को समूल नष्ट करने के बारे में न केवल

सोचें, सक्रिय भी हों। निषिक्य की उपेक्षा कर सकें। इस तरह अगर पर यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग आधार पर यह है कि इसके द्वारा जीवन के बहुत सारे क्षेत्रों में निषिक्य होती है तो उसके उपर्योग की आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है। विचारणीय जात यह है कि एक अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे छोड़ दिया जाए तो वह सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग की आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

अब तक जो हुआ है उसके आधार पर यह हमें उपयोग कर रहा है कि इसकी उपयोग की आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

निषिक्य ही जैसे-जैसे इस सुविधा कोई अवधारणा करता है तो वह सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

निषिक्य ही जैसे-जैसे इस सुविधा कोई अवधारणा करता है तो वह सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।

एक बहुत सोचावल साथ सारी आशंकाएं एक अन्य खतरा है। क्षेत्रों की जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाने लगता है, युद्ध और अद्यतारों की क्षेत्र भी इसमें आजाद नहीं रहा है।